चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Times of India	30.7.24	4	1

THE TIMES OF INDIA

Hry, SA varsities discuss millet crop

Hisar: The delegations of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU) and KwaZulu-Natal University of South Africa held a meeting on various ambitious topics under the chairmanship of the vice chancellor of CCSHAU Prof BR Kamboj. Kamboj said that both the universities would cooperate in the field of millet cultivation and processing technology. These crops are very important for both the countries from the point of view of nutritional security. These crops can be grown even with less resources, he said.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30.7.24	3	3-4

• दक्षिण अफ्रीका की कवाजुलू यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय दौरे पर पहुंचा एचएयू

एचएयू और दक्षिण अफ्रीका की यूनिवर्सिटी उन्नत किस्मों व तकनीकों में करेंगे सहयोग : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं दक्षिण अफ्रीका की कवाजुलू यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की अध्यक्षता में विभिन्न महत्वाकांक्षी विषयों को लेकर बैठक की। विवि के दो दिवसीय दौरे पर आए दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल में विश्वविद्यालय के मानविकी कॉलेज में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवीयन ओजोंग, निदेशक प्रो. हसन काया, विज्ञान विभाग की शोध प्रबंधक डॉ. मायाश्री चिनसामी, दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला विश्वविद्यालय से साइंस मिशन के पूर्व मुख्य निदेशक प्रो. योनाह स्लेटी, मीडिया प्रतिनिधि तेज मोथीबे शामिल रहे। कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज ने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय मोटे अनाज मिलेटस की खेती और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। पोषण सुरक्षा के दृष्टिगत उक्त फसलें दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इन फसलों को कम संसाधनों में भी उगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मक्का, गन्ना, आलू और बाजरा जैसी कई फसलें हैं जो भारत के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका में भी उगाई जाती हैं। इन फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी करने के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक आपसी तालमेल के साथ संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के साथ अनुंसधान, ड्यूल डिग्री कार्यक्रम, छात्र व शिक्षक आदान प्रदान, प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक गतिविधियों पर परस्पर सहयोग को लेकर चर्चा की।

प्रो. बीआर काम्बोज के साथ मीटिंग करते दक्षिण अफ्रीका से पहुंचा प्रतिनिधिमंडल।

आपसी सहयोग से दक्षिण अफ्रीका को भी फायदा होगा : प्रो. ओजोंग

दक्षिण अफ्रीका के कवाजुलू विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवियन ओजोंग ने बताया कि जलवायु परिवर्तन, डिजिटाइजेशन, सामुदायिक विज्ञान, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियां और उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों में एचएयू उच्च स्तरीय कार्य कर रहा है एवं इस आपसी सहयोग से दक्षिण अफ्रीका के लोगों को भी फायदा होगा। दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधियों ने एचएयू के बाजरा उत्कृष्टता केंद्र और विश्वविद्यालय के 'अर्निंग व्हाइल लर्निंग' जैसे कार्यक्रमों की भी प्रशंसा की। अनुसंधान निदेशक एवं नोडल अधिकारी डॉ. एसके पाहुजा ने दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल का एचएयू में पहुंचने पर स्वागत किया। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. राजेश गेरा, परियोजना डायरेक्टर डॉ. सुरेन्द्र धनखड़ मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	30.7.24	4	2-5

हकृवि और दक्षिण अफ्रीका की यूनिवर्सिटी किस्मों में करेंगी सहयोग

जागरण संवाददाता • हिसार: हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं दक्षिण अफ्रीका की कवाजुलू यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की अध्यक्षता में विभिन्न विषयों को लेकर बैठक की। विश्वविद्यालय के दो दिवसीय दौरे पर आए दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल में विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवीयन ओजोंग, निदेशक प्रो. हसन काया, विज्ञान विभाग की शोध प्रबंधक डा. मायाश्री चिनसामी, दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला विश्वविद्यालय से साइंस मिशन के पूर्व मुख्य निदेशक प्रो. योनाह स्लेटी, मीडिया प्रतिनिधि तेज मोथीबे शामिल रहे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय मोटे अनाज (मिलेटस) की खेती और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। पोषण सुरक्षा के दृष्टिगत उक्त फसलें दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इन फसलों को कम संसाधनों में भी उगाया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि मिलेटस के मूल्य संवर्धन से किसानों की आय में वृद्धि होगी और एचएयू में बाजरा उत्कृष्टता केंद्र यहां विकसित उत्पादों से किसानों, खासकर महिला किसानों को उद्यमी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि मक्का, गन्ना, आलू और बाजरा जैसी कई फसलें हैं जो भारत के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका में भी उगाई जाती हैं। इन फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी करने के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक आपसी तालमेल के साथ संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के साथ अनुसंधान, ड्यूल डिग्री कार्यक्रम, छात्र व शिक्षक आदान प्रदान, प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक गतिविधियों पर परस्पर सहयोग को लेकर चर्चा की। दक्षिण अफ्रीका के कवाजुलू विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवियन ओजोंग ने बताया कि जलवायु परिवर्तन, डिजिटाइजेशन, सामुदायिक विज्ञान, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियां और उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों में एचएयू उच्च स्तरीय कार्य कर रहा है। दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधियों ने एचएयू के बाजरा उत्कृष्टता केंद्र 'अर्निंग व्हाइल लर्निंग' जैसे कार्यक्रमों की प्रशंसा की।

अनुसंधान निदेशक एवं नोडल अधिकारी डा. एसके पाहुजा ने दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल का हकृवि में पहुंचने पर स्वागत किया। इस अवसर पर ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डा. केडी शर्मा, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डा. राजेश गेरा, परियोजना डायरेक्टर डा. सुरेन्द्र धनखड़, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र के निदेशक डा. अनिल कुमार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक डा. महाबीर सिंह व बागवानी विभाग, से हितेश अग्रवाल मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज दक्षिण अफ्रीका प्रतिनिधि मंडल के साथ बातचीत करते हुए। • पीआरओ

दक्षिण अफ्रीका प्रतिनिधि मंडल ने हकृवि सहित विभिन्न स्थलों का किया दौरा

दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल ने पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र, गोकलपुरा (भिवानी), सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा उत्कृष्टता केन्द्र, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र तथा डा. मंगलसेन कृषि संग्रहालय का दौरा किया। इन संस्थानों से महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	30.7.24	3	1-5

शिक्षा एचएयू पहुंचा दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधिमंडल, कुलपति प्रो. कांबोज बोले- प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग करेंगे

एचएयू-क्वाजुलू यूनिवर्सिटी मिलकर करेंगे मोटा अनाज में शोध

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और दक्षिण अफ्रीका की क्वाजुलू यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल के बीच सोमवार को हिसार में कुलपति प्रो. बीआर कांबोज की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस दौरान समझौता हुआ कि एचएयू और क्वाजुलू यूनिवर्सिटी मिलकर मोटा अनाज में शोध करेंगे।

दो दिवसीय दौरे पर आए दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल में विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवीयन ओजोंग, निदेशक प्रो. हसन काया, विज्ञान विभाग की शोध प्रबंधक डॉ. मायाश्री

एचएयू में आयोजित बैठक में दक्षिण अफ्रीका की क्वाजुलू यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। साथ में हैं अन्य वैज्ञानिक। स्रोत : संस्थान

चिनसामी, दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला विश्वविद्यालय से साइंस मिशन के पूर्व मुख्य निदेशक प्रो. योनाह स्लेटी, मीडिया प्रतिनिधि तेज मोथीबे शामिल रहे।

कुलपति प्रो. कांबोज ने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय मोटे अनाज (मिलट्स) की खेती और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। पोषण सुरक्षा के दृष्टिगत उक्त फसलें दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इन फसलों को कम संसाधनों में उगाया जा सकता है। मक्का, गन्ना, आलू, बाजरा जैसी कई फसलें हैं, जो भारत के अलावा दक्षिण अफ्रीका में भी उगाई जाती हैं। इन फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी करने के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक आपसी तालमेल के साथ संयुक्त रूप से कार्य करेंगे।

दक्षिण अफ्रीका के प्रो. विवियन ओजोंग ने बताया कि जलवायु परिवर्तन, डिजिटाइजेशन, सामुदायिक विज्ञान, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियां और उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों में एचएयू उच्चस्तरीय कार्य कर रहा है। इस मौके पर अनुसंधान निदेशक एवं नोडल अधिकारी डॉ. एसके पाहुजा आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	30.7.24	5	3-5

दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल ने किया हकृवि का दौरा

हकृवि और दक्षिण अफ्रीका की यूनिवर्सिटी उन्नत किस्मों व तकनीकों में करेंगे सहयोगः प्रो. काम्बोज

हिसार, 29 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं दक्षिण अफ्रीका की कवाजुलू यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अध्यक्षता में विभिन्न महत्वाकांक्षी विषयों को लेकर एक बैठक आयोजित की। विश्वविद्यालय के दो दिवसीय दौरे पर आए दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल में विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवीयन ओजोंग, निदेशक प्रो. हसन काया, विज्ञान विभाग की शोध प्रबंधक डॉ. मायाश्री चिनसामी, दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला विश्वविद्यालय से सांइस मिशन के पूर्व मुख्य निदेशक प्रो. योनाह स्लेटी, मीडिया प्रतिनिधि तेज मोथीबे शामिल रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज दक्षिण अफ्रीका प्रतिनिधि मंडल के साथ बातचीत करते हुए।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय मोटे अनाज (मिलेटस) की खेती और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। पोषण सुरक्षा के दृष्टिगत उक्त फसलें दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इन फसलों को कम संसाधनों में भी उगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मक्का, गन्ना, आलू और बाजरा जैसी कई फसलें हैं जो भारत के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका में भी उगाई जाती हैं। इन फसलों के उत्पादन में बढ़ौतरी करने के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक आपसी तालमेल के साथ संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। उन्होंने प्रतिनिधि मंडल के साथ अनुंसधान, ड्यूल डिग्री कार्यक्रम, छात्र व शिक्षक आदान प्रदान, प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक गतिविधियों पर परस्पर सहयोग को लेकर चर्चा की।

दक्षिण अफ्रीक के कवाजुलू विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवियन ओजोंग ने बताया कि जलवायु परिवर्तन, डिजिटाइजेशन, सामुदायिक विज्ञान, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियां और उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों में हकृवि उच्च स्तरीय कार्य कर रहा है एवं इस आपसी सहयोग से दक्षिण अफ्रीका के लोगों को भी फायदा होगा।

अनुसंधान निदेशक एवं नोडल अधिकारी डॉ. एस.के. पाहुजा ने दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल का हकृवि में पहुंचने पर स्वागत किया।

वहीं दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल ने पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र, गोकलपुरा (भिवानी), सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा उत्कृष्ठता केन्द्र, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्ठता केन्द्र तथा डॉ. मंगलसेन कृषि संग्रहालय का दौरा कर संबंधित संस्थानों से महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	30.7.24	4	7-8

हरिभूमि

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज दक्षिण अफ्रीका प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत करते हुए।

एचएयू व दक्षिण अफ्रीका की यूनिवर्सिटी उन्नत किस्मों व तकनीक में करेंगे सहयोग

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं दक्षिण अफ्रीका की क्वाज़ुलू यूनिवर्सिटी ने उन्नत किस्मों व तकनीकों में सहयोग का निर्णय लिया है। यह निर्णय हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के दौरे पर आए विशेष प्रतिनिधिमंडल की कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ हुई बैठक के बाद लिया गया। दक्षिण अफ्रीका से आए प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. काम्बोज की अध्यक्षता में विभिन्न महत्वाकांक्षी विषयों पर बैठक की। विश्वविद्यालय के दो दिवसीय दौरे पर आए दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल में विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवीयन ओजोंग, निदेशक प्रो. हसन काया, विज्ञान विभाग की शोध प्रबंधक डॉ. मायाश्री चिनसामी, दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला विश्वविद्यालय से सांइस मिशन के पूर्व मुख्य निदेशक प्रो. योनाह स्लेटी, मीडिया प्रतिनिधि तेज मोथीबे शामिल रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय मोटे अनाज (मिलेटस) की खेती और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग करेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	30.7.24	8	3-6

हकृवि और दक्षिण अफ्रीका की यूनिवर्सिटी उन्नत किस्मों व तकनीकों में करेंगे सहयोग : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 29 जुलाई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं दक्षिण अफ्रीका की कवाजुलू यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अध्यक्षता में विभिन्न महत्वाकांक्षी विषयों को लेकर एक बैठक आंयोजित की। विश्वविद्यालय के दो दिवसीय दौरे पर आए दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल में विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवीयन ओजोंग, निदेशक प्रो. हसन काया, विज्ञान विभाग की शोध प्रबंधक डॉ. मायाश्री चिनसामी, दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला विश्वविद्यालय से सांइस मिशन के पूर्व मुख्य निदेशक प्रो. योनाह स्लेटी, मीडिया प्रतिनिधि तेज मोथीबे शामिल रहे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय मोटे अनाज (मिलेटस) की खेती और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। पोषण सुरक्षा के दृष्टिगत उक्त फसलें दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इन फसलों को

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज दक्षिण अफ्रीका प्रतिनिधि मंडल के साथ बातचीत करते हुए।

कम संसाधनों में भी उगाया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि मिलेटस के मूल्य संवर्धन से किसानों की आय में वृद्धि होगी और एचएयू में बाजरा उत्कृष्टता केंद्र यहां विकसित उत्पादों से किसानों, खासकर महिला किसानों को उद्यमी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि मक्का, गन्ना, आलू और बाजरा जैसी कई फसलें हैं जो भारत के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका में भी उगाई जाती हैं। इन फसलों के उत्पादन में बढ़ौतरी करने के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक आपसी तालमेल के साथ संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। उन्होंने प्रतिनिधि मंडल के साथ अनुसंधान, ड्यूल डिग्री कार्यक्रम, छात्र व शिक्षक आदान प्रदान, प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक गतिविधियों पर परस्पर सहयोग को लेकर चर्चा की। दक्षिण अफ्रीका के कवाजुलू विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवियन ओजोंग ने बताया कि जलवायु परिवर्तन, डिजिटाइजेशन, सामुदायिक विज्ञान, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियां और उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों में एचएयू उच्च स्तरीय कार्य कर रहा है एवं इस आपसी सहयोग से दक्षिण अफ्रीका के लोगों को भी फायदा होगा। दक्षिण अफ्रीका प्रतिनिधियों ने एचएयू के बाजरा उत्कृष्टता केंद्र और विश्वविद्यालय के 'अर्निंग व्हाइल लर्निंग' जैसे कार्यक्रमों की भी प्रशंसा की। अनुसंधान निदेशक एवं नोडल अधिकारी डॉ. एसके पाहुजा ने दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल का हकृवि में पहुंचने पर स्वागत किया। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. राजेश गेरा, परियोजना डायरेक्टर डॉ. सुरेन्द्र धनखड़, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. महाबीर सिंह व बागवानी विभाग, हरियाणा से हितेश अग्रवाल मौजूद रहे। दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल ने पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र, गोकलपुरा (भिवानी), सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा उत्कृष्टता केन्द्र, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र तथा डॉ. मंगलसेन कृषि संग्रहालय का दौरा कर संबंधित संस्थानों से महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	29.07.2024	---	--

हकृवि और दक्षिण अफ्रीका की यूनिवर्सिटी उन्नत किस्मों व तकनीकों में करेंगे सहयोग : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं दक्षिण अफ्रीका की कवाजुलू यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अध्यक्षता में विभिन्न महत्वाकांक्षी विषयों को लेकर एक बैठक आयोजित की। विश्वविद्यालय के दो दिवसीय दौरे पर आए दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल में विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवीयन ओजोंग, निदेशक प्रो. हसन काया, विज्ञान विभाग की शोध प्रबंधक डॉ. मायाश्री चिनसामी, दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला विश्वविद्यालय से सांइस मिशन के पूर्व मुख्य निदेशक प्रो. योनाह स्लेटी, मीडिया प्रतिनिधि तेज मोथीबे शामिल रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय मोटे अनाज (मिलेटस) की खेती और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। पोषण सुरक्षा के दृष्टिगत उक्त फसलें दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इन फसलों को कम संसाधनों में भी उगाया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि मिलेटस के मूल्य संवर्धन से किसानों की आय में वृद्धि होगी और एचएयू में बाजरा उत्कृष्टता केंद्र यहां विकसित उत्पादों से किसानों, खासकर महिला किसानों को उद्यमी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि मक्का, गन्ना, आलू और बाजरा जैसी कई फसलें है जो भारत के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका में भी उगाई जाती हैं। इन फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी करने के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक आपसी तालमेल के साथ संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। उन्होंने प्रतिनिधि मंडल के साथ अनुसंधान, ड्यूल डिग्री कार्यक्रम, छात्र व शिक्षक आदान प्रदान, प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक गतिविधियों पर परस्पर सहयोग को लेकर चर्चा की।

दक्षिण अफ्रीका के कवाजुलू विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवियन ओजोंग ने बताया कि जलवायु परिवर्तन, डिजिटाइजेशन, सामुदायिक विज्ञान, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियां और उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों में एचएयू उच्च स्तरीय कार्य कर रहा है एवं इस आपसी सहयोग से दक्षिण अफ्रीका के लोगों को भी फायदा होगा। दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधियों ने एचएयू के बाजरा उत्कृष्टता केंद्र और विश्वविद्यालय के 'अर्निंग व्हाइल लर्निंग' जैसे कार्यक्रमों की भी प्रशंसा की।

अनुसंधान निदेशक एवं नोडल अधिकारी डॉ. एसके पाहुजा ने दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल का हकृवि में पहुंचने पर स्वागत किया। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. राजेश गेरा, परियोजना डायरेक्टर डॉ. सुरेन्द्र धनखड़, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. महावीर सिंह व बागवानी विभाग, हरियाणा से हितेश अग्रवाल मौजूद रहे।

दक्षिण अफ्रीका प्रतिनिधिमंडल ने हकृवि सहित विभिन्न स्थलों का किया दौरा:

दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल ने पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र, गोकलपुरा (भिवानी), सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा उत्कृष्टता केन्द्र, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र तथा डॉ. मंगलसेन कृषि संग्रहालय का दौरा कर संबंधित संस्थानों से महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पान्च बजे	29.07.2024	---	--

हकृवि और दक्षिण अफ्रीका की यूनिवर्सिटी उन्नत किस्मों व तकनीकों में करेंगे सहयोग : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं दक्षिण अफ्रीका की कवाजुलु यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अध्यक्षता में विभिन्न महत्वाकांक्षी विषयों को लेकर एक बैठक आयोजित की। विश्वविद्यालय के दो दिवसीय दौरे पर आए दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल में विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवीयन ओजोंग, निदेशक प्रो. हस्सन कोया, विज्ञान विभाग की शोध प्रबंधक डॉ. मायात्री चिनस्वामी, दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला विश्वविद्यालय से साइंस मिशन के पूर्व मुख्य निदेशक प्रो. योनाह स्सेंटी, मीडिया प्रतिनिधि तेज मोथीबे शामिल रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय मोटे अनाज (मिलेट्स) की खेती और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। पोषण सुरक्षा के दृष्टिगत उक्त फसलें दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इन फसलों को कम संसाधनों में भी उगाया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि मिलेट्स के मूल्य संवर्धन से किसानों की आय में वृद्धि होगी और एचएयू में बाजरा उत्कृष्टता केंद्र यहां विकसित उत्पादों से किसानों, खासकर महिला किसानों को उद्यमी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि मक्का, गन्ना, आलू और बाजरा जैसी कई फसलें हैं जो भारत के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका में भी उगाई जाती है। इन फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी करने के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक आपसी तालमेल के साथ संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। उन्होंने प्रतिनिधि मंडल के साथ अनुसंधान, ड्यूल डिग्री कार्यक्रम, छात्र व शिक्षक आदान प्रदान, प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक गतिविधियों पर परस्पर सहयोग को लेकर चर्चा की।

दक्षिण अफ्रीका के कवाजुलु विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवियन ओजोंग ने बताया कि जलवायु परिवर्तन, डिजिटाइजेशन, सामुदायिक विज्ञान, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियां और उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों में एचएयू उच्च स्तरीय कार्य कर रहा है एवं इस आपसी सहयोग से दक्षिण अफ्रीका के लोगों को भी फायदा होगा। दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधियों ने एचएयू के बाजरा उत्कृष्टता केंद्र और विश्वविद्यालय के 'अर्निंग व्हाइल लर्निंग' जैसे कार्यक्रमों की भी प्रशंसा की।

अनुसंधान निदेशक एवं नोडल अधिकारी डॉ. एसके पाहुजा ने दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल का हकृवि में पहुंचने पर स्वागत किया। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. राजेश गेरा, परियोजना डायरेक्टर डॉ. सुरेन्द्र धनखड़, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्ठता केन्द्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. महावीर सिंह व बागवानी विभाग, हरियाणा से हितेश अग्रवाल मौजूद रहे।

दक्षिण अफ्रीका प्रतिनिधिमंडल ने हकृवि सहित विभिन्न स्थलों का किया दौरा:

दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल ने पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र, गोकलपुरा (भिवानी), सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा उत्कृष्ठता केन्द्र, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्ठता केन्द्र तथा डॉ. मंगलसेन कृषि संग्रहालय का दौरा कर संबंधित संस्थानों से महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार ट्रिब्यून	30.07.2024	---	--

हकृवि और दक्षिण अफ्रीका की यूनिवर्सिटी उन्नत किस्मों व तकनीकों में करेंगे सहयोग : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार ट्रिब्यून। हिसार

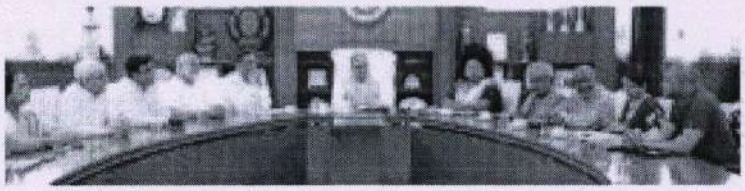

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज दक्षिण अफ्रीका प्रतिनिधि मंडल के साथ बातचीत करते हुए

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं दक्षिण अफ्रीका की कवाजुलू यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अध्यक्षता में विभिन्न महत्वाकांक्षी विषयों को लेकर एक बैठक आयोजित की। विश्वविद्यालय के दो दिवसीय दौरे पर आए दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल में विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवीयन ओजोंग, निदेशक प्रो. हसन काया, विज्ञान विभाग की शोध प्रबंधक डॉ. मायाश्री चिनसामी, दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला विश्वविद्यालय से साइंस मिशन के पूर्व मुख्य निदेशक प्रो. योनाह स्लेटी, मीडिया प्रतिनिधि तेज मोथीबे शामिल रहे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय मोटे अनाज (मिलेटस) की खेती और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। पोषण सुरक्षा के दृष्टिगत उक्त फसलें दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इन फसलों को कम संसाधनों में भी उगाया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि मिलेटस के मूल्य संवर्धन से किसानों की आय में वृद्धि होगी और एचएयू में बाजरा उत्कृष्टता केंद्र यहां विकसित उत्पादों से किसानों, खासकर महिला किसानों को उद्यमी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि मक्का, गन्ना, आलू और बाजरा जैसी कई फसलें हैं जो भारत के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका में भी उगाई जाती हैं। इन फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी करने के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक आपसी तालमेल के साथ संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। उन्होंने प्रतिनिधि मंडल के साथ अनुसंधान, ड्यूल डिग्री कार्यक्रम, छात्र व शिक्षक आदान प्रदान, प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक गतिविधियों पर परस्पर सहयोग को लेकर चर्चा की।

दक्षिण अफ्रीका के कवाजुलू विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवियन ओजोंग ने बताया कि जलवायु परिवर्तन, डिजिटाइजेशन, सामुदायिक विज्ञान, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियां और उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों में एचएयू उच्च स्तरीय कार्य कर रहा है एवं इस आपसी सहयोग से दक्षिण अफ्रीका के लोगों को भी फायदा होगा। दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधियों ने एचएयू के बाजरा उत्कृष्टता केंद्र और विश्वविद्यालय के 'अर्निंग व्हाइल लर्निंग' जैसे कार्यक्रमों की भी प्रशंसा की। अनुसंधान निदेशक एवं नोडल अधिकारी डॉ. एसके पाहुजा ने दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल का हकृवि में पहुंचने पर स्वागत किया। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. राजेश गेरा, परियोजना डायरेक्टर डॉ. सुरेन्द्र धनखड़, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. महावीर सिंह व बागवानी विभाग, हरियाणा से हितेश अग्रवाल मौजूद रहे। दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल ने पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र, गोकलपुरा (भिवानी), सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा उत्कृष्टता केन्द्र, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र तथा डॉ. मंगलसेन कृषि संग्रहालय का दौरा कर संबंधित संस्थानों से महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की।